स्टेम कोशिका शोधकर्ता ने माफी मांगी

कुछ ही दिनों पहले एक जापानी वैज्ञानिक हारुको ओबोकाता ने दावा किया था कि उन्होंने सामान्य कोशिकाओं को स्टेम कोशिकाओं में तबदील करने में सफलता प्राप्त की है। यह खबर सुर्खियों में इसलिए आई थी क्योंकि शोधकर्ता का दावा था कि इस परिवर्तन के लिए उन्होंने सिर्फ इतना किया था कि कोशिकाओं को तनावग्रस्त माहौल (जैसे तेज़ाबी माध्यम) में रखा था। उनके इस शोध पत्र पर दुनिया भर की प्रयोगशालाओं से प्रतिकूल टिप्पणियां आने के बाद हारुको ओबोकाता ने माफी मांगी है।

ओसाका में एक पत्रकार वार्ता में ओबोकाता ने कहा कि उनके शोध पत्र में जो गलतियां प्रवेश कर गई हैं, वे उनकी अपनी अनुभवहीनता के कारण है। वे अनुसंधान के प्रोटोकॉल से भलीभांति परिचित नहीं हैं। उक्त शोध पत्र *नेचर* में प्रकाशित हुए थे और इनमें कई त्रुटियां पाई गई थीं। विश्व भर में मचे बवाल के चलते राइकेन प्रयोगशाला (जहां यह शोध कार्य किया गया था) ने एक समिति का गठन किया था। समिति ने पाया कि ओबोकाता के पर्चे में जिस ढंग की 'त्रुटियां' हैं वे वैज्ञानिक कदाचार की श्रेणी में आती हैं। अलबत्ता, ओबोकाता ने उक्त समिति से अपील की है कि वह वैज्ञानिक कदाचार वाली अपनी बात पर पुनर्विचार करे।

ओबोकाता का कहना है कि शोध पत्र में त्रुटियां ज़रूर हैं मगर उसमें प्रस्तुत निष्कर्ष सही हैं और उन्होंने कम से कम ढाई सौ बार इन्हें दोहराया है। उनका यह भी कहना है कि कम से कम एक अन्य शोधकर्ता ने भी उनके प्रयोगों को दोहराया है और इसी प्रकार के नतीजे मिले हैं।

वैसे पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने शोध पत्र के अन्य लेखकों से भी माफी मांगी कि वे उनके कारण इस झमेले में फंस गए हैं। उन्होंने राइकेन प्रयोगशाला से भी इस बात के लिए माफी मांगी कि उनके शोध पत्र की वजह से प्रयोगशाला को बदनामी मिली है। ***(स्रोत फीचर्स)***